मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 147, मुंबई, मंगलवार, 18 अगस्त, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

बीएमसी ने गणेश भक्तों को जारी की

अडवाइजरी

मुंबई के 13 फ्लाईओवर खतरनाक

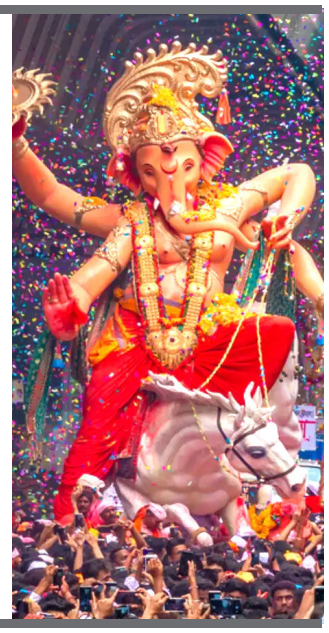

संवाददाता

मुंबई। बीएमसी ने अडवाइजरी जारी कर मध्य रेलवे के चार और पश्चिम रेलवे के 9 पुलों को आने-जाने के लिए खतरनाक घोषित किया है। बीएमसी ने गणेशभक्तों से अपील की है कि वे इन पुलों से गुजरते समय विशेष सावधानी बरतें। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

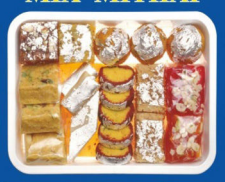

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में चार कॉन्स्टेबल सस्पेंड

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

जुहू में घर के बाहर बिल्डर की हत्या

मुंबई। मुंबई के जुहू में सोमवार तड़के एक अज्ञात व्यक्ति ने बंगले के बाहर ही बिल्डर की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पीड़ित अब्दुल मुनाफ शेख अल-शोफी समूह के संस्थापक और अध्यक्ष थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वह नमाज अदा करने के बाद कार से घर लौटे और जैसे ही गाड़ी से उतरे अपराधी ने उनके गले पर चाकू से वार किया और कई बार शरीर पर चाकू से प्रहार किए। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

पालघर में केमिकल फैक्ट्री में धमाका

10 किलोमीटर दूर तक सुनी गई ब्लास्ट की आवाज, एक की मौत

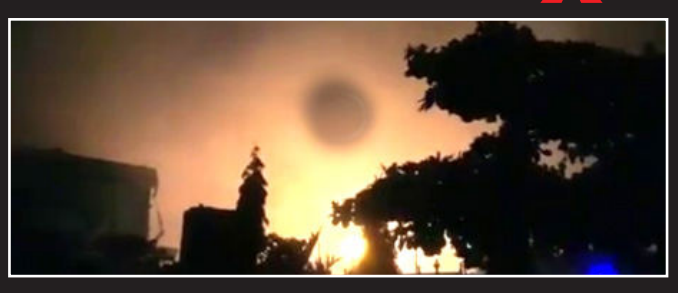

संवाददाता

मुंबई। पालघर में सोमवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। यहां तारापुर इंडस्ट्रियल एरिया की एक केमिकल फैक्ट्री में धमाका हुआ। पालघर के कलेक्टर कैलाश शिंदे ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 3 घायल हैं। इस धमाके की आवाज 10 किलोमीटर दूर तक सालवाड़, पाथल, बोईसर, तारापुर और आसपास के गांवों तक सुनाई दी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अवसाद से रक्षा

कोरोना का समय पूरी दुनिया के लिए जितना अभूतपूर्व है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। हम अपने चारों ओर सेहत की अत्यधिक चिंता, तनाव, काम में व्यवधान और साथ ही अपने स्वजनों, दोस्तों से दूरी का दुखद एहसास कर रहे हैं। जिंदगी को खुशनुमा ढंग से जीने के बहाने कम हो गए हैं। लोगों की मानसिक स्थिति पर गहरा असर पड़ा है। नई पीढ़ी का मन खास रूप से आहत हुआ है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आईएलओ द्वारा किए गए वैश्विक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, दुनिया में हर दूसरा युवा चिंता व अवसाद से ग्रस्त हो गया है। कोविड-19 के प्रभाव में 17 प्रतिशत से अधिक युवा ज्यादा पीड़ित हुए हैं। सर्वेक्षण रिपोर्ट के निष्कर्षों को 'यूथ ऐंड कोविड-19 : नौकरियों, शिक्षा, अधिकारों और मानसिक हित पर प्रभाव' शीर्षक से प्रकाशित किया गया है। इस सर्वेक्षण के लिए दुनिया के 112 देशों से 12,000 से अधिक प्रतिक्रियाएं ली गईं, जिनमें एक बड़ा हिस्सा शिक्षित युवाओं व इंटरनेट का उपयोग करने वालों का है। सर्वेक्षण में 18 से 29 वर्ष की आयु के नौजवान शामिल थे, जिन्हें रोजगार, शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसे मुद्दों पर बात करने के लिए कहा गया था। सर्वेक्षण के अनुसार, युवाओं ने मानसिक सेहत संबंधी समस्याओं में बढ़ोतरी के लिए एक से अधिक कारण गिनाए। शिक्षा के साधनों में बदलाव और जीवन को लेकर अनिश्चितता ने उन्हें चिंता की ओर धकेला है। कक्षाओं और परीक्षाओं के न होने का असर भी समाज पर पड़ा है। ऑनलाइन कक्षाओं से भी एक अलग ही तरह की जिंदगी शुरू हुई है, उससे तनाव कम नहीं हुआ, बल्कि बढ़ गया है। उम्र के तीसरे व चौथे दशक में चल रहे युवाओं को रोजगार के अभाव और वर्तमान रोजगार के छूटने की चिंता ने घेर लिया है। घर से काम करने के साथ ही काम के घंटे भी बढ़ गए हैं। लोगों की जिम्मेदारियां बढ़ी हैं, थकावट व कुछ गंवा देने के भाव का असर मानसिक सेहत पर पड़ा है। सर्वेक्षण से पता चला है कि युवा छात्रों पर ज्यादा असर हुआ है। नया हुनर सीखने, सुधारने और आगे शिक्षा के लिए तरसते युवाओं के लिए यह समय बोझिल बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षा में परिवर्तन व ऑनलाइन कक्षा के कारण 65 प्रतिशत युवाओं ने जरूरत से कम सीखा है। करीब 50 प्रतिशत युवाओं को आशंका है कि उनकी शिक्षा देर से पूरी होगी। कम से कम नौ प्रतिशत को अपनी परीक्षा में फेल होने की आशंका है, जिससे उन्हें मानसिक तनाव का अनुभव हो रहा है। एक और बात महत्वपूर्ण है कि महिलाओं की मानसिक खुशहाली ज्यादा प्रभावित हुई है, उसमें भी 18 से 24 वर्ष की महिलाओं पर ज्यादा असर हुआ है। आईएलओ के अध्ययन में बताया गया है कि इन मानसिक चुनौतियों का जवाब हमें अभी ही खोजना होगा, वरना महामारी के खत्म होने के बाद दुनिया को स्वास्थ्य के और बड़े संकट का सामना करना पड़ सकता है। जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सभी सरकारों को तनाव बढ़ाने वाले उपक्रमों या हरकतों से बचना होगा। सकारात्मक सोच वाले लोगों को आगे आकर मानसिक रूप से कमजोर हुए लोगों को सहारा देना होगा। आज सरकारों, डॉक्टरों, शिक्षकों व अभिभावकों की चुनौती बहुत बढ़ गई है। हमें समझना होगा कि एक-एक युवा हमारे लिए मूल्यवान है, तभी हम उन्हें अवसाद से बचाने में कामयाब होंगे।

आत्मनिर्भर बनाने में सहायक नई शिक्षा नीति

आधुनिक समाज साक्षरता, शिक्षा और अनुसंधान का परिणाम है। आज हमारी जो भी तरक्की हुई है वह शिक्षा का ही परिणाम है। माचिस की तीली से लेकर स्मार्टफोन तक शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान का ही नतीजा है। लेकिन जैसे-जैसे समाज ने डिजिटलाइजेशन के आगमन के साथ प्रगति की है, आम जनता की शिक्षा की जरूरतें भी बदल गई हैं। समकालीन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हर कुछ दशक के बाद एक नई राष्ट्रीय शैक्षिक नीति तैयार की जाती रही है ताकि उन बदली हुई आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। अब तक भारत ने इस तरह के तीन सुधार देखे हैं, पहला 1968 में, दूसरा 1986 में और तीसरा हाल ही में इसे अंजाम दिया गया है। देखा जाए तो समग्र शिक्षा के लिए लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता को स्वीकार करते हुए नई शिक्षा नीति शिक्षा के सार्वभौमिकरण और व्यावसायिक अध्ययन के अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करती है। जहां पहले शिक्षा का फोकस लोगों को साक्षर बनाना और उन्हें सुरक्षित नौकरियां दिलाने में मदद करना था, वहीं नई नीति गुणवत्ता, नवाचार और अनुसंधान पर आधारित है, जिसका उद्देश्य भारत को ज्ञान के क्षेत्र में महाशक्ति बनाना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की एक प्रमुख विशेषता कक्षा पांच तक के छात्रों के लिए कोई भाषा-अवरोध नहीं है। कक्षा पांच तक पढ़ाने का माध्यम मातृभाषा में होगा। शिक्षकों को एक विशेष भाषा माध्यम तक सीमित नहीं करके, राष्ट्रीय शैक्षिक नीति बहुभाषावाद, शिक्षण और सीखने में भाषा की शक्ति को बढ़ावा देगा। छात्रों के लिए एक विकल्प के रूप में संस्कृत को स्कूल के स्तर पर प्रस्तुत

किया जाएगा। भारत की अन्य स्थानीय भाषाएं और साहित्य भी विकल्प के रूप में उपलब्ध होंगे। माध्यमिक स्तर पर कई अंतरराष्ट्रीय भाषाओं का विकल्प भी छात्रों को दिया जाएगा। छठी के छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाएगी और इसमें इंटर्नशिप को भी शामिल किया जाएगा। राष्ट्रीय शैक्षिक नीति का उद्देश्य पाठ्यक्रम को लचीला बनाना है ताकि छात्रों के पास शैक्षिक पाठ्यक्रमों का चयन करने का विकल्प हो और वे अपनी योग्यता व रुचियों के अनुसार जीवन में अपने लिए आगे का रास्ता स्वयं चुन सकते हैं। सामाजिक न्याय और समानता प्राप्त करने के लिए शिक्षा सबसे बड़ी कुंजी है।

समावेशी और निष्पक्ष शिक्षा एक समावेशी समुदाय को गढ़ने के लिए महत्वपूर्ण है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को सपने देखने, उसे साकार करने और देश के विकास में अपना योगदान देने का अधिकार है। मानकीकृत और सार्वभौमिक साधनों को सुनिश्चित करने के संदर्भ में एक व्यापक शोध किया गया जिससे प्राप्त आंकड़ों से यह पता चला कि देश के कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में सामाजिक और आद्यथक रूप से वंचित समूहों का अनुपात काफी बड़ा है। इसके अलावा ऐसे भौगोलिक इलाकों की पहचान उन आकांक्षी जिलों के रूप में की गई है जिन्हें अपने शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है। इसलिए इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए कि किसी भी बच्चे को जन्म या पृष्ठभूमि की परिस्थितियों के कारण सीखने के अवसर से वंचित नहीं किया जाना चाहिए, इस नीति में यह प्रस्तावित किया गया है कि उन क्षेत्रों को विशेष शिक्षा क्षेत्र घोषित किया जाना चाहिए। ये क्षेत्र समग्र रूप से भारत को विकास के पथ पर ले जाने के लिए अधिक सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से सभी योजनाओं और नीतियों को कार्यान्वित करने का प्रयास करेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि राष्ट्र एक साथ आगे बढ़ता रहे और प्रत्येक व्यक्ति आत्मनिर्भर और सशक्त बने, सरकार ने यह तय किया है कि उच्च शिक्षा के लिए भी समानता का समावेश हो। एक प्रतिष्ठित संस्थान से हासिल की गई शिक्षा से लोगों को ऐसे कई अवसर मिल सकते हैं जो समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। नई शिक्षा नीति विशेष शिक्षा क्षेत्र पर खास जोर देने के साथ सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में काम करती है। इस नीति ने उच्च शिक्षण संस्थानों से फीस कम करने और यहां तक कि सामाजिक रूप पिछड़े व आद्यथक दृष्टिकोण से कमजोर तबके के छात्रों को अधिक वित्तीय सहायता तथा छात्रवृत्ति प्रदान करने का आग्रह किया है ताकि प्रत्येक छात्र को अवसर मिल सके। कौशल आधारित नजरिये से देखा जाए तो नई शिक्षा नीति एक ऐसी पीढ़ी को तैयार करने में सक्षम है जो विशेषज्ञता और कौशल से बेहतर रूप से सुसज्जित होगी। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ अपनी विनिर्माण इकाइयों को भारत में स्थानांतरित करने के लिए सरकार को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि देश की जनता के पास सामयिक कौशल हो। विनिर्माण इकाइयों की मजबूती के लिहाज से तो यह देश को सक्षम बनाता ही है, इससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों का भरोसा भी बढ़ेगा और साथ ही मेक इन इंडिया अभियान को भी यह आगे बढ़ाएगा। अनुसंधान की संस्कृति को प्रोत्साहन देने के लिए एक नए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन का गठन ठोस प्रमाण है कि भारत संपूर्ण पीढ़ी को सक्षम बनाने की दिशा में काम करेगा जो देश को सही मायने में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक साबित होगा। राष्ट्रीय शैक्षिक नीति सामर्थ्य, गुणवत्ता और जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर आधारित है। बोर्ड परीक्षाओं और स्नातक पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण के लिए नई मूल्यांकन प्रणालियों का इस्तेमाल किया जाएगा। वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नौकरी प्राप्त करने की दिशा में ही अधिकतम जोर दिया जाता है, जबकि इसमें छात्र के बहुआयामी विकास के साथ चरित्र निर्माण पर भी जोर दिया जाएगा।

अभिव्यक्ति की आजादी पर दोहरे मानदंड

स्वतंत्र न्यायपालिका भारतीय संविधान का आधारिक लक्षण है। संविधान निमार्ताओं ने इसकी स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए कई रक्षोपाय किए थे। उसके साथ विधायिका और कार्यपालिका संवैधानिक व्यवस्था के तीन प्रमुख स्तंभ हैं। बीते दिनों वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण के विरुद्ध न्यायालय की अवमानना का आरोप सही पाया गया। शीर्ष अदालत ने कहा कि भूषण की टिप्पणियां केवल एक-दो जजों पर हमला नहीं, बल्कि सर्वोच्च न्यायालय के पिछले छह वर्ष के कामकाज पर हमला हैं। कोर्ट ने कहा, ह्यायदि ऐसे हमलों से सख्ती से नहीं निपटा गया तो विश्व बिरादरी में राष्ट्रीय सम्मान और गरिमा पर प्रभाव पड़ सकता है। न्यायपालिका के प्रति आम जनता का विश्वास भी कम होगा।ह्न फैसले के बाद भूषण के पक्षधर तमाम टिप्पणियां कर रहे हैं। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट के कामकाज पर स्वतंत्र बहस को बाधित करने वाला बताया। कुछेक टिप्पणीकार अवमानना कानून को ही व्यर्थ बता रहे हैं तो कई फैसले के पक्ष में भी हैं। खासी बहस चल निकली है। भाकपा महासचिव डी

राजा ने कहा है, असहमति और विचार भिन्नता लोकतंत्र के अंग हैं। बेशक यह बात सही है, लेकिन किसी टिप्पणी को न्यायिक सुनवाई के बाद अवमानकारी घोषित करना न्यायालय का विधिक अधिकार है जो किसी दल ने नहीं दिया। राजा ने अवमानना कानून के पुनरीक्षण की मांग की है। उन्हें इसके लिए विधायिका के मंच का उपयोग करना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस की सांसद मोइत्रा ने भी ऐसी ही टिप्पणी की है। ऐसी बयानबाजी राजनीतिक आरोपों जैसी है। इसका परिणाम अच्छा नहीं होगा। न्यायिक फैसलों पर सियासी बयानबाजी का चलन बढ़ा तो छोटी-बड़ी सभी अदालतों के फैसलों की आलोचना की परंपरा का विस्तार होगा। लोग न्यायाधीशों की भी आलोचना करेंगे। तब देश की विधि व्यवस्था का क्या होगा? क्या ऐसे में न्यायाधीश अपना दायित्व शांत चित्त मनोदशा में पूरा कर पाएंगे? यह गलत परंपरा की शुरूआत है। दलों को न्यायिक संस्थान की गरिमा गिराने वाला काम नहीं करना चाहिए। अभिव्यक्ति की आजादी पर दोहरे मानदंड उचित नहीं। अवमान कार्रवाई की आलोचना करने वाले बड़ी भूल कर रहे हैं। भूषण ने स्वयं 2017 में हाईकोर्ट के एक जज सीएस कन्नन के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई को उचित बताया था। कन्नन ने भी सुप्रीम कोर्ट के जजों पर टिप्पणियां की थीं। सर्वोच्च न्यायपीठ, न्यायपालिका और सभी संवैधानिक संस्थाओं के प्रति भारत के लोगों के भरोसे के कारण ही जनतंत्र और संविधान का शासन चलता है। इस भरोसे को बनाए रखना न्यायपालिका की भी जिम्मेदारी है। आलोचकों की भी। उन्हें सुनवाई के तथ्यों पर भी ध्यान देना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने दलील दी, भूषण के ट्वीट न्यायपालिका के विरुद्ध नहीं थे। वे न्यायाधीशों की क्षमता के तहत निजी आचरण को लेकर थे। भूषण की प्रशंसा में दवे ने कहा, उन्होंने न्यायशास्त्र के विकास में बड़ा योगदान दिया है।

पवार को कोरोना वायरस कहने वाले गोपीचंद पडालकर को बीजेपी ने बनाया प्रवक्ता

संवाददाता

मुंबई। बीजेपी के विधान परिषद सदस्य गोपीचंद पडालकर को पार्टी ने महाराष्ट्र में एक बड़ी जवाबदारी सौंपी है। बीजेपी ने पडालकर को महाराष्ट्र में प्रवक्ता जैसी अहम जिम्मेदारी सौंपी हैं। गोपीचंद पडालकर ने एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार को कुछ दिनों पहले महाराष्ट्र का कोरोना वायरस कहकर संबोधित किया था। पडालकर के इस बयान के बाद पूरे महाराष्ट्र में एनसीपी ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस मामले में पडालकर को अपनी स्कूटर पर बैठा कर घुमाने वाले एनसीपी के कॉरपोरेटर को एनसीपी ने बर्खास्त भी किया था। पडालकर पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस के करीबियों में माने जाते हैं। पडालकर समेत 10 लोगों को प्रवक्ता बनाया गया है। इनमें सांसद भारती पवार, विधायक गोपी चंद पडालकर, विधायक राम कदम, शिवराय कुलकर्णी, एजाज

देशमुख, भालचंद्र शिरसाट, धनजंय महाडिक, राम कुलकर्णी, श्वेता शालिनी और राहुल नार्वेकर हैं।

पैनलिस्ट भी बनाए गए

गणेश हाके, अतुल शाह, एडवोकेट गिरीश व्यास, अवधूत वाघ, शिरीष बोरालकर, सुनील नेरलकर, सुधीर दिवे, डॉक्टर अनिल बोंडे, विधायक अमित साटम, प्रवीण घुघे, रिदा रशीद, गणेश खनकर, मकरंद नार्वेकर, विनायक आंबेकर, शेखर चरेगांवकर, श्वेता परुलेकर,सुरेश धस, प्रदीप पेशकार, निरंजन डावखरे, लक्ष्मण साव जी,आरती पुगांवकर, आरती साठे, राजीव पांडे, दीपाली मोकाशी, नितिन दिनकर, धर्मपाल मेश्राम, किशोर शितोले, प्रेरणा होनराव, शिवानी दानी, स्वानंद गंगाल, आनंद राउत, राम बुध्वंत और प्रीति गांधी इन सभी लोगों को बीजेपी में राज्य में अपना पैनलिस्ट बनाया है।

शादीशुदा महिला ने शादी से किया इनकार, प्रेमी ने कर दी महिला की हत्या

कल्याण। कल्याण इलाके में एक महिला की उसके प्रेमी ने पहले गला घोंटकर हत्या कर दी। बाद में इस हत्या को आत्महत्या बनाने के लिए लाश को पेड़ से लटका दिया। इस घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल क्राइम ब्रांच ने इस मामले में दीपक रूपवते नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। कुछ दिन पहले कल्याण के पास भिवंडी बाईपास के नजदीक

एक महिला का शव पेड़ से लटका हुआ मिला था। पहली नजर में महिला ने आत्महत्या की है ऐसा लग रहा था। लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच में क्राइम ब्रांच को पता चला कि यह लाश 24 वर्षीय महिला किरण सावले की है। उन्होंने आत्महत्या नहीं की थी बल्कि उनके प्रेमी ने उनकी हत्या की थी।

प्रेमी और प्रेमिका दोनों शादीशुदा: इस मामले में दीपक और किरन दोनों पहले से ही शादीशुदा हैं। दीपक की पत्नी ने उसे छोड़ दिया है। फिलहाल दीपक, किरण पर शादी करने का दबाव बीते कुछ महीनों से डाल रहा था। लेकिन किरण शादी के लिए मना कर रही थी। कुछ दिन पहले दीपक ने किरण को बातचीत के बहाने बुलाया और भिवंडी बाईपास के पास ले गया। वहां पर भी दीपक ने किरण से शादी के लिए बातचीत शुरू की। लेकिन किरण ने हर बार उसे मना कर दिया। इस बात से गुस्सा होकर दीपक ने किरण के दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। बाद में उसे पेड़ से लटका दिया ताकि यह आत्महत्या का मामला लगे।

महाराष्ट्र में 8493 नए कोरोना मरीज, अब पुणे में सबसे अधिक ऐक्टिव केस

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार शाम राज्य में कोरोना के नए मामलों की रिपोर्ट जारी की है। प्रदेश सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 8493 नए मामले सामने आए हैं। इसके अलावा राज्य के अलग-अलग जिले में कोरोना से 228 लोगों की मौत भी हुई है। प्रदेश में अभी 1,55,268 केस ऐक्टिव हैं, जिनमें सर्वाधिक मामले पुणे शहर में हैं। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में कोविड से संक्रमित हुए 11 हजार 391 मरीजों को इलाज के बाद बीते 24 घंटे में डिस्चार्ज भी किया गया है। अब तक राज्य में कुल 6 लाख 4 हजार 358 कोरोना मरीज सामने आ चुके हैं। इसके अलावा 4 लाख 28 हजार 514 लोग इलाज होने के बाद ठीक भी हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में फिलहाल ऐक्टिव मामलों की संख्या 1 लाख 55 हजार 268 है। वहीं अब तक कोरोना संक्रमण के चलते 20 हजार 265 लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं। आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र के शहर पुणे में कोरोना के सबसे अधिक केस ऐक्टिव हैं।

युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में चार कॉन्स्टेबल सस्पेंड

मुंबई। कोरोना महामारी के बीच घोषित लॉकडाउन के दौरान 29 मार्च को एक व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में चार कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर दिया गया है। चारों जुहू पुलिस स्टेशन में तैनात थे। एक पुलिस अधिकारी ने आंतरिक जांच में कहा कि चार पुलिसकर्मी- संतोष देसाई, आनंद गायकवाड़, दिगंबर चव्हाण और अंकुश पालवे ने व्यक्ति पर हमला किया था। इस मामले की पुलिस ने यह कार्रवाई हाई कोर्ट में एक याचिका दाखिल किए जाने के बाद की है। बॉम्बे हाई कोर्ट में पुलिस ने कहा था कि 29 मार्च को 22 वर्षीय देवेंद्र पर भीड़ ने हमला बोला था, क्योंकि उस पर लूट करने का शक था। वहीं उस व्यक्ति के परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें बताया था कि वे देवेंद्र को पुलिस स्टेशन ले जा रहे हैं। इसके बाद अगली सुबह पुलिस ने परिवार को बताया कि उसे (देवेंद्र) पास के चौक पर पाया गया था और अस्पताल ले जाते समय डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया था। सरकारी वकील पूर्णिमा कैंथारिया ने हाई कोर्ट को बताया कि सीसीटीवी फुटेज में देखा गया था कि चार पुलिसकर्मियों ने उस शख्स की बेरहमी से पिटाई की गई थी। उधर, हाई कोर्ट की दखल के बाद पुलिस विभाग ने अब आरोपी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें सस्पेंड कर दिया है। इसके साथ ही विभागीय जांच भी जारी है।

बायोकॉन की चेयरपर्सन किरण मजूमदार शॉ कोरोना पॉजिटिव, ट्वीट कर दी जानकारी

नई दिल्ली। पद्मश्री और पद्म भूषण से सम्मानित किरण मजूमदार शॉ के कोरोना संक्रमित हुई है। बायोकॉन लिमिटेड की चेयर पर्सन किरण मजूमदार ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा है कि कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। हल्के लक्षण हैं। उन्होंने ट्वीट में यह भी लिखा है कि उम्मीद करती हूं कि ये ऐसे ही रहे। गौरतलब है कि किरण मजूमदार शॉ एक महिला उद्योगपति हैं। उन्हें पद्मश्री के साथ ही पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। शॉ ने बायोकॉन लिमिटेड नाम से फार्मा कंपनी शुरू की थी। वे इस कंपनी की चेयरपर्सन हैं। शॉ ने कोरोना

वायरस का टीका विकसित करने के रूस के दावों पर भी सवाल खड़े किए थे। पिछले सप्ताह ही शॉ ने ट्वीट कर क्लीनिकल परीक्षण में आंकड़ों की कमी बताते हुए रूसी दावे पर सवाल उठाए थे। उन्होंने लिखा था कि इस टीके के पहले और दूसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल के नतीजे दुनिया के सामने नहीं आए हैं। उन्होंने तीसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल से पहले ही टीका लॉन्च करने पर भी सवाल किया था और कहा था कि ऐसा है, तब भी इसे दुनिया का पहला टीका नहीं कहा जा सकता। दुनिया के कई देशों में कोरोना का टीका बनाने के लिए चल रहे ट्रायल इससे भी आगे हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

बीएमसी ने गणेश भक्तों को जारी की अडवाइजरी

बीएमसी ने गणेशोत्सव के दौरान मूर्तियों के आगमन व विसर्जन के लिए कई शर्तें लगाई है, फिर भी गणेश मूर्ति आगमन व विसर्जन के दिन भीड़ होने की आशंका है। इसको देखते हुए बीएमसी ने 9 फ्लाईओवर को लेकर अडवाइजरी जारी है। इन पुलों में से कुछ का काम बीएमसी कर रही है, कुछ का काम प्रस्तावित है। बीएमसी ने जिन पुलों के बारे में अडवाइजरी जारी है, उसमें मध्य रेलवे के घाटकोपर, करी रोड, चिंचपोकली और भायखला फ्लाईओवर शामिल है। मध्य रेलवे के मरीन लाइंस, चर्नी रोड- ग्रांट रोड के बीच का फ्रेंच फ्लाईओवर, केनेडी ब्रिज, ग्रांट रोड-मुंबई सेंट्रल के बीच का फॉकलैंड फ्लाईओवर, बेलासिस, महालक्ष्मी स्टील फ्लाईओवर, प्रभादेवी का कैरोल और दादर का तिलक फ्लाईओवर शामिल है।

जुहू में घर के बाहर बिल्डर की हत्या

शेख ने इसके बाद अपने घर पहुंचने की कोशिश की, लेकिन दरवाजे पर ही गिर गए। कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में एक व्यक्ति टोपी पहने बिल्डर पर हमला करता हुआ दिखा है लेकिन उसमें हमलावर का चेहरा स्पष्ट नहीं है। शेख की कंपनी ने मुंबई मे कई इमारतों का निर्माण किया और वह स्लम रिहेबिलियेशन अथॉरिटी (एसआरए) की परियोजनाओं से भी जुड़े थे। वह सुरक्षाकर्मियों के साथ ही बाहर जाते थे, लेकिन सोमवार सुबह वह बिना सुरक्षाकर्मी के ही बाहर निकले थे।

पालघर में केमिकल फैक्ट्री में धमाका

कुछ खबर के मुताबिक, इस विस्फोट के बाद कई किलोमीटर के इलाके में गैस रिसाव हुआ है। बताया जा रहा है कि केमिकल रिएक्शन की वजह से इंडस्ट्रियल एरिया के के टी जोन में यह विस्फोट हुआ है। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। इसी साल जनवरी में भी पालघर जिले के कोलवाडे गांव में निमार्णाधीन केमिकल फैक्ट्री में धमाका हुआ था। तब यहां 7 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 4 घायल हुए थे। यह धमाका केमिकल टेस्टिंग के दौरान हुआ था। धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री की एक इमारत ध्वस्त हो गई थी। इसकी गूंज 15 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी थी।

80 प्रतिशत से अधिक हुआ मुंबई का रिकवरी रेट

संवाददाता

मुंबई। एक समय कोरोना कैपिटल रही मुंबई में बड़े पैमाने पर लोग कोरोना को मात दे रहे हैं। मुंबई में कोरोना मरीजों का रिकवरी रेट 80.37 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो देश में दिल्ली (90 प्रतिशत) के बाद सबसे ज्यादा है। रविवार को राज्य सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में कोरोना मरीजों की कुल संख्या 1,28,726 तक पहुंच गई। इनमें से 1,03,468 लोग कोरोना को मात देकर घर लौट चुके हैं। वहीं, 7133 लोगों की कोरोना की वजह से मौत हो चुकी है।

मुंबई में 17825 लोग अभी कोरोना पॉजिटिव, जिनका विभिन्न अस्पतालों व कोविड सेंटरों में इलाज चल रहा है। अगस्त में मुंबई में रिकवरी रेट में 4 प्रतिशत का सुधार हुआ है। 1 अगस्त को मुंबई में कोरोना का रिकवरी रेट 76 प्रतिशत था, जो 16 अगस्त को बढ़कर 80.37 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसी तरह डबलिंग रेट में भी इस दौरान सुधार हुआ है। 1 अगस्त को मुंबई में कोरोना का डबलिंग रेट 76 दिन था, जो 16 अगस्त को बढ़कर 87 दिन हो गया है। एशिया की सबसे बड़ी स्लम धारावी ने कोरोना के खिलाफ जंग में एक मिसाल कायम की है। उसी का नतीजा है कि धारावी में कुल 2668 कोरोना केस में से 2329 लोग डिस्चार्ज होकर घर लौट चुके हैं। इस तरह धारावी में 87.29 प्रतिशत लोगों ने कोरोना को मात दी है, जो कि मुंबई के रिकवरी रेट से काफी बेहतर है। खास बात यह है कि धारावी में कोरोना के सिर्फ 80 ऐक्टिव केस हैं, जो कुल मामलों का सिर्फ 2.99 प्रतिशत है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि धारावी ने किस तरह से कोरोना को मात दी है। जी/नॉर्थ वॉर्ड के असिस्टेंट कमिश्नर किरण दिघावकर ने बताया कि धारावी में कोरोना को मात देने के लिए हमने ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट और टेस्ट पर जोर दिया, उसी का नतीजा है कि यहां अब सिर्फ 80 ऐक्टिव मरीज रह गए हैं। जुलाई से यहां लगातार सिंगल डिजिट में कोरोना के केस सामने आ रहे हैं। दिघावकर ने कहा कि धारावी के साथ ही हम दादर और माहिम पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

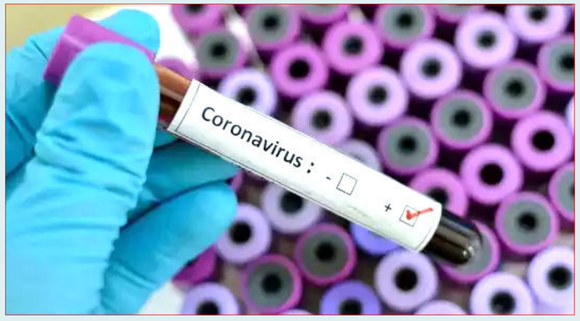

हमें विश्वास है कि जल्द ही हम धारावी की तरह दादर और माहिम में भी कोरोना की रफ्तार पर ब्रेक लगाने में सफल होंगे। इसके लिए घर-घर सर्वे, मेडिकल कैंप, फीवर क्लिनिक व अन्य माध्यमों से जांच बढ़ाई गई है, उसका नतीजा जल्द सामने आएगा। धारावी में कोरोना से अब तक करीब 270 लोगों की मौत हुई है। जी/नॉर्थ के पूरे वॉर्ड की बात करें तो धारावी के साथ दादर एवं माहिम भी आते हैं। पूरे वॉर्ड में मरीजों की कुल संख्या 7548 है, जिनमें से 6120 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। इस वॉर्ड में रिकवरी रेट 81 प्रतिशत है।

साढ़े छह लाख की जांच: मुंबई में अब तक 6,51,593 लोगों की कोरोना वायरस जांच हो चुकी है। बीएमसी हेल्थ डिपार्टमेंट के अनुसार, बड़े पैमाने पर लोगों की जांच की जा रही है, इससे मरीजों को ट्रेस करने में आसानी हो रही है। प्रतिदिन 10 हजार के आसपास हाई कॉन्टैक्ट व लो कॉन्टैक्ट के लोगों को ट्रेस किया जा रहा है। प्रति दस लाख पर कोरोना मरीजों की सबसे ज्यादा जांच के मामले में तमिलनाडु व दिल्ली के बाद मुंबई तीसरे स्थान पर है। मुंबई में बड़े पैमाने पर ऐंटीज टेस्ट हो रहे हैं। इससे कम समय में कोरोना जांच की रिपोर्ट मिल रही है।

टर्की राष्ट्रपति की पत्नी से आमिर की मुलाकात पर छिड़ा दंगल, बीजेपी-कांग्रेस आमने-सामने

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता आमिर खान आज सुबह से सोशल मीडिया पर बहस का मुद्दा बन रहे हैं। दरअसल आमिर खान ने टर्की के राष्ट्रपति रजप तैयप एर्दवान की पत्नी एमिली एर्दवान से मुलाकात की है। वैसे तो ये मुलाकात एक निजी मुलाकात है लेकिन सवाल पूछा जा रहा है कि आमिर खान का भारत विरोधियों से कैसा याराना है? गौरतलब है कि एर्दवान एक इस्लामिस्ट राष्ट्रपति हैं और लगातार भारत विरोधी बयानों के लिए भी सुर्खियों में रहते हैं। कश्मीर के मसले पर उन्होंने खुलकर भारत का विरोध किया था।

हालांकि एक ओर जहां आमिर खान का विरोध हो रहा है तो दूसरी ओर उनके बचाव में भी लोग खड़े हैं। दलील दी जा रही है कि वो किसी से भी मिलें क्यों फर्क पड़ना चाहिए? आमिर खान को लेकर हंगामा इसलिए भी बरपा है क्योंकि ये वही आमिर खान हैं, जिन्होंने असहिष्णुता के हंगामे के बीच ये कहा था कि भारत में डर लगने लगा है। ऐसे में टर्की के राष्ट्रपति के साथ आमिर खान का मेलजोल बीजेपी, आरएसएस और वीएचपी से जुड़े बहुत लोगों को रास नहीं आया है। हालांकि कांग्रेस इस पूरे हंगामे को फिजूल बताने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस के नेता अभिषेक मनु सिंघवी से जब उनके ट्वीट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, अब मैं क्या करूं कि अगर प्रेस को चीजें सनसनीखेज करने का शौक है। मैंने आमिर खान को लेकर ट्वीट कब किया कोई दिखा दे और मैंने सफाई कब दी कोई यह भी दिखा दे। मैंने तो ये स्पष्टीकरण दिया है कि मेरा मानना है कि टर्की भारत के हितों के विरुद्ध एक्ट कर रहा है। आमिर खान का मुद्दा तो तब होता जब मैं उन्हें टैग करता या नाम लेता। अपनी बात स्पष्ट करते हुए सिंघवी ने कहा, अंतरराष्ट्रीय मुद्दों में टर्की पिछले दो महीनों में हर हफ्ते मलेशिया के साथ भारत विरोधी स्टैंड ले रहा है। अगर मुझे कुछ कहना होगा आमिर खान के बारे में तो मैं हिचकूंगा नहीं, इसमें क्या आपत्ति है। लेकिन जब मैंने कुछ कहा ही नहीं। मुझे तो उनका मामला दिमाग में ही नहीं था। मैंने तो कई बार ऐसा कहा है कि टर्की और मलेशिया भारत विरोधी स्टैंड ले रहे हैं और टर्की रहनुमा बनना चाहता है। इसके बाद जब आमिर खान को लेकर विवाद बढ़ा तो मैंने स्पष्ट कहा कि इसमें टैगिंग होनी चाहिए या उनका नाम होना चाहिए। सिंघवी ने आगे कहा, मुझे आमिर खान के विषय के बारे में कोई इल्म नहीं था। मैंने टर्की से जुड़ा आर्टिकल पढ़ा था जिसके बाद ट्वीट किया था। आमिर खान स्वतंत्र नागरिक हैं, वो जिससे चाहें मिलें। आमिर खान न हमारे दूत हैं, न हमारे सांसद हैं, न सरकारी अधिकारी हैं। इसमें क्या दिक्कत हो सकती है। अब आमिर खान अगर दाउद इब्राहिम या किसी अपराधी से मिलते हैं जो भारत विरोधी काम में लिप्त हैं तो गलत होगा। आमिर खान का स्वतंत्र अधिकार है। लेकिन मैं टर्की का विरोध करता हूं। बता दें कि सिंघवी ने सोमवार सुबह एक ट्वीट किया था। अपने ट्वीट में सिंघवी ने लिखा था, एर्दवान खलीफा बनने के कोशिश कर रहे हैं। वो हमेशा भारत विरोधी रहे हैं और टर्की भारत में चरमपंथ की फंडिंग कर रहा है। टर्की भारत का सबसे बड़ा अदृश्य खतरा है। एर्दवान या उनके किसी परिचित पर भरोसा नहीं कर सकते। लेकिन जब उनके ट्वीट को आमिर खान से जुड़े विवाद से जोड़कर देखा जाने लगा तो उन्होंने एक ट्वीट के जरिए स्पष्ट किया कि मेरे पिछले ट्वीट का आमिर खान से कोई जुड़ाव नहीं था। न मैंने उन्हें मेंशन किया है न ही टैग किया है।

इस स्वतंत्रता दिवस भारतबाला ने वर्चुअल जन गण मन नया रूप दिया

प्रसार भारती की एक पहल, गूगल द्वारा संचालित, भारतबाला और वर्चुअल भारत द्वारा निर्मित

मुंबई। वर्चअल राष्ट्रगान ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गूगल सर्च, यूट्यूब मास्टहेड और दूरदर्शन पर पदार्पण किया। जब इसे 74वें स्वतंत्रता दिवस पर लॉन्च किया गया तब यह अरुणाचल प्रदेश के पहाड़ों से लेकर थार रेगिस्तान तक पूरे भारत के लोगों की आवाज को एकसाथ लाने वाला अवसर था। 2020 भारत में सामाजिक दूरी वाला वर्ष रहा है। ऐसा वर्ष भारतीय एक-दूसरे से दूर रहे हैं। यह फिल्म भावनाओं से भर देती है, जब हम सभी भारतीय एक साथ राष्ट्रगान गाते हैं। गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा जुटाई गई इन अवाजों से पहली बार भारतबाला और वर्चुअल भारत द्वारा 'जन गण मन' को एक सिनेमा की दृष्टि से नया रूप दिया गया है। भारतबाला ने कहा कि ऐसे समय में जब हम सब इतने दूर रहे हैं- तब भारत के लोगों को वर्चुअल एक साथ लाना- मूल रूप से वर्चुअल भारत बनाना है। इस विचार पर साझेदारी करने का यही कारण था। मेरी सोच का भारत- वर्चुअल भारत का मतलब भारत के लोगों को वर्चुअली साथ लाना है- भारत के लोगों को सभी जगहों की संस्कृति को शॉर्ट फिल्म के माध्यम से साथ लाना है। इसलिए यह प्राकृतिक रूप से सभी पहलुओं को देखते हुए यह बिल्कुल सही मेल है। हालांकि यह अपने आप में पहली तरह की टेक्नोलॉजी है, जो विभिन्न आवाजों को एक साथ ला रही है, इसलिए एआई म्युजिक एक्सपीरियंस बनाने के लिए इसमें रचनात्मक स्तर पर कई चुनौतियां भी थीं। टेक्नोलॉजी का अहसास करवाए बिना मानवीय अहसास के साथ हम कैसे भारतीय आवाजों को एक साथ उपयोग कर सकते हैं? इस सबसे ऊपर विश्व के सबसे बेहतरीन राष्ट्रगान में हम कैसे वास्तविकता और गहराई का समायोजन कर सकते हैं। इस प्रकार के विचारों के लिए दृष्टि और सच्चे भारतीय अहसास की जरूरत होती है। मैं गूगल इंडिया के हेड संजय गुप्ता को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे जुलाई की मध्यरात्रि में कॉल करके स्वतंत्रता दिवस पर साथ में गाने के विजन के बारे में चर्चा की, जो एक बिल्कुल उचित मेल था। 2000 में हमनें 50 भारतीय बेहतरीन कलाकारों के साथ मिलकर जन गण मन बनाया था। मेरे लिए यह एक नया अनुभव है, जिसमें एआई टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर काम किया गया है। यह बिल्कुल सही मिश्रण है। गूगल फॉर इंडिया विजन के तहत गूगल जो कुछ कर रहा है वह अभूतपूर्व है। टेक्नोलॉजी के माध्यम से भारतीय समाज के प्रत्येक पहलू को पेश करना सही मायनों में देश के लिए वास्तविक सोच है। इसने मुझे आत्मविश्वास और सहजता प्रदान की। हम इसे लेकर काफी उत्साहित हैं और उम्मीद है कि प्रत्येक भारतीय को जोड़ने में यह सफल होगी।

भारत ने फिर दिखाई दरियादिली, नेपाल को दिया लगातार सहयोग का भरोसा

पटना। नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद से उत्पन्न हुए तनाव के बाद द्विपक्षीय औपचारिक वार्ता हुई। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हुई इस बातचीत में भारत का नेतृत्व नेपाल में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा और नेपाल का प्रतिनिधित्व विदेश सचिव शंकर दास वैरागी ने किया था। इस बैठक के दौरान नेपाल में भारत के आर्थिक सहयोग से चल रही परियोजना की समीक्षा की गई। नक्शा विवाद के कारण पिछले 9 महीने से किसी भी प्रकार की द्विपक्षीय वार्ता नहीं हो पा रही थी। लेकिन 15 अगस्त को नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने पहल करते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता को निरंतरता देने का आग्रह किया था। सीमा विवाद से उत्पन्न तनाव के कारण पिछले साल जुलाई में हुई समीक्षा बैठक के बाद इसे नवंबर में ही होना था, लेकिन अब यह बैठक 9 महीने की देरी से आयोजित हुई है। दोनों देशों के प्रधानमंत्री के बीच वार्ता हो जाने के कारण आज की बातचीत काफी सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। भारत ने एक बार फिर अपने तरफ से नेपाल के आर्थिक विकास में खुलकर मतदान करने का भरोसा दिलाया है। इस समय नेपाल में भारत के आर्थिक सहयोग से देश की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना का निर्माण किया जा रहा है। अरुण थ्री हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट 900 मेगावाट की परियोजना है। इसके समय पर ही निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 2014 में इसको लेकर नेपाल और भारत में समझौता हुआ जबकि 2018 में इसका निर्माण कार्य का शिलान्यास खुद प्रधानमंत्री मोदी ने ही किया था। यह परियोजना नेपाल की आर्थिक हालत को बिल्कुल बदल कर रख देने की क्षमता रखती है। इसके अलावा नेपाल के लोगों की अपनी पर रेल चढ़ने का सपना भी पूरा होने जा रहा है। इस समय बिहार के जयनगर से लेकर नेपाल के जनकपुर तक के रेल लाइन का निर्माण और स्टेशन सभी बनकर तैयार हैं। भारत के कोंकण रेलवे से नेपाल में चलने वाले रेल के इंजन और बोगी दोनों ही तैयार कर इस समय सीमा तक पहुंचाए जा चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला, 2 जवान घायल

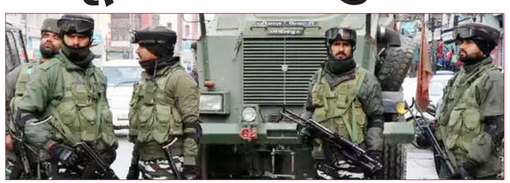

संवाददाता

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला के बाद अब कुलगाम जिले में भी आतंकियों ने सीआरपीएफ जवानों पर हमला किया है। सोमवार शाम कुलगाम के नेहामा स्थित सीआरपीएफ कैंप पर हुए एक हमले में दो जवान घायल हुए हैं, जिसमें एक एएसआई भी शामिल है। घटना के बाद इलाके को खाली कराया गया है और यहां पर बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकियों ने सीआरपीएफ के बंकर पर हमला किया है। इस हमले में एक सीआरपीएफ का जवान घायल हुआ है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में रेफर किया गया है। एसपी कुलगाम गुरविंदर सिंह का कहना है कि अभी इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है। फायरिंग हुई है। जिसमें जवान घायल हुआ है। जानकारी के अनुसार रात को आतंकियों ने कुलगाम के नेहामा इलाके में सीआरपीएफ के कैंप के बाहर स्थित सीआरपीएफ के बंकर पर तैनात जवानों को निशाना बनाकर हमला किया। इस हमले के बाद सीआरपीएफ जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। हमले में एक एएसआई एस सुकुमार गंभीर रूप से घायल हुआ। यह जवान मौजूदा समय में 18 बटालियन के साथ तैनात है।

कुलगाम समेत दक्षिण कश्मीर में हाई अलर्ट

सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकी हमले के बाद दक्षिण कश्मीर में हाई अलर्ट जारी किया है। कुलगाम के नेहामा इलाके में सीआरपीएफ, सेना की राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीमों को सर्च ऑपरेशन के लिए भेजा गया है। इसके अलावा इलाके में सख्त घेराबंदी कर जवानों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समस्तीपुर हलचल

नहीं रुक रहा हत्याओं का दौर, अपराधियों ने किया एक और हत्या, फेंका नदी किनारे

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र जितवारपुर गांव में जहां अपराधियों ने एक युवक को गोली मारकर हत्या कर दी। जनकारी के अनुसार रविवार की रात दिवाकर राय नाम के एक युवक को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जितवारपुर चौथ पंचायत के फरपुरा से अगवा कर लिया गया था। दिवाकर की शव सोमवार को बूढ़ी गंडक नदी में तैरती मिली है। उसके शव को देखने से लग रहा था कि बड़ी बेरहमी से पहले उसके साथ मारपीट की गई है। फिर गले मे गोली मारकर हत्या कर शव को नदी में फेंक दिया। सूत्रों के अनुसार जितवारपुर में आपसी वर्चस्व को लेकर दो गुटों में काफी दिनों से विवाद चल रहा था। दोनों गुट के लोग एक दूसरे

पर कई बार हमला भी कर चुके थे। करीब 9 महीने पहले पुलिस ने भी दिवाकर को एक आपराधिक मामले में गिरफ्तार किया था जिसमें वह गम्भीर रूप से जख्मी भी हुआ था। उसे जेल भेजने पर उसकी नाजुक हालत को देखते हुए जेल प्रशासन ने उसे सदर अस्पताल भेज दिया था। तब दिवाकर ने पुलिस पर ही अपनी हत्या की नीयत से मारपीट का आरोप लगाते हुए मानवाधिकार आयोग में गुहार लगाई थी। जिसमे फिलहाल पुलिस की भूमिका की जांच भी चल ही रही है। उस मामले में कुछ दिन पहले ही दिवाकर जेल से छूटकर बाहर आया था। सोमवार की सुबह दिवाकर का शव गंडक नदी किनारे देखे जाने की सुचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया। इस मामले में समस्तीपुर एसपी विकास बर्मन ने बताया कि मृतक का भी आपराधिक इतिहास रहा है और उस पर कई मामले भी दर्ज हैं। अभी कुछ महीने पहले ही वह जेल से छूटा था। हत्या किसके द्वारा और किस वजह से की गई है इसका पता लगाने में पुलिस जुटी गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक पर दजनो मामले दर्ज हैं।

जलोपा का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। शहर के धर्मपुर स्थित वार्ड संख्या 2 में जनतांत्रिक लोकहित पार्टी के बैनर तले कार्यकर्त्ताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उजियारपुर के भावी प्रत्याशी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल हकीम फिदा ने की। इस अवसर मुख्य अतिथि व राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्य प्रकाश नारायण ने कहा कि मेरी पार्टी 2017 से ही किसानों और नौजवानों के हक के लिए आवाज बुलंद करती आ रही है। इन लोगों को जबतक हक नही मिलेगा मेरी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी जातपात, धर्म की लड़ाई को छोड़कर किस तरह नौजवानों के पेट भरे और किसानों को खेतो में उन्नत आनाज पैदावार हो उसके लिए हम सोंचते रहते हैं। ईधर विधानसभा चुनाव के सम्बंध में पूछने पर उन्होंने कहा कि देश मे कोरोना महामारी बीमारी फैला हुआ है और दिन प्रति दिन इस मामले में बढ़ोतरी हो रही है तथा बिहार के अधिकांश जिले के लोग बाढ़ की आपदा को झेल रहे हैं। वही बिहार के मुखिया नीतीश कुमार विधानसभा चुनाव कराने के लिए तुले हुए हैं जो इस समय उचित नही है। सत्य प्रकाश नारायण ने कहा कि बिहार में विधानसभा चुनाव इस समय न हो इसके लिए चुनाव आयोग को पत्र भेज चुका हुं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि अगर बिहार में विधानसभा चुनाव होगी तो जनतांत्रिक लोकहित पार्टी करीब 100 उम्मीदवार खड़ा करेगी। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्य प्रकाश नारायण एवं पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कुमार प्रिय रंजन आदि ने संयुक्त रूप से अब्दुल हकीम फिदा को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पद और आरिफ हुसैन उर्फ शीबू को जिला अध्यक्ष पद पर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

वार्ड नंबर 1 से शुरू हुआ लोजमो का स्वच्छता एवं पौधरोपण अभियान-पर्यावरण संरक्षण की ली शपथ

संवाददाता

रुड़की। लोजमो संयोजक सुभाष सैनी के मार्गदर्शन में कल सुबह शेरपुर युवा मोर्चा ने स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत सोलानी विहार कॉलोनी से की। इस अभियान का शुभारंभ रुड़की नगर के प्रमुख सफाई कर्मचारी नेता सनाती बिरला ने किया जबकि लोजमो मोर्चा अध्यक्ष रविंद्र राणा ने इस मौके पर युवा मोर्चा पदाधिकारियों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति शपथ दिलाई। लोजमो संयोजक सुभाष सैनी ने कहा कि मोर्चा जहां एक और रुड़की जिला बनाओ, बेरोजगारों को रोजगार दो समेत अन्याय-

शोषण के खिलाफ अपनी मुहिम को आगे बढ़ा रहा है। वहीं युवा मोर्चा गांव-गांव, वार्ड-वार्ड सफाई एवं वृक्षारोपण अभियान भी शुरू कर रहा है इसी अभियान के तहत आज सोलानी विहार कॉलोनी से जैन कॉलेज होते हुए शेरपुर के बीच के रास्ते पर सफाई कराई गई। इस अभियान में शेरपुर युवा मोर्चा अध्यक्ष अनंत सैनी, महामंत्री अनुज सैनी, कोषाध्यक्ष अजीत सैनी निखिल सैनी, युवराज सैनी, आशु सैनी, शुभम सैनी, आकाश सैनी, अमन सैनी, आशीष सैनी, मंथन सैनी, पुलकित सैनी, चिंटू, सुशांत सैनी, दीपांशु सैनी, तरुण सैनी, दीपक कुमार, आर्यन आदि शामिल रहे।

खाईबाडी करते आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

लक्सर। तेजतर्रार लक्सर बाजार चौकी इंचार्ज मनोज नौटियाल ने मुखबिर की सूचना पर देर रात खाईबाड़ी करते हुए एक व्यक्ति को धर दबोचा, आरोपी के कब्जे से सट्टे की पर्ची और 1120 रुपए की नगदी बरामद हुई है। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम इस्लाम पुत्र नसीर उम्र 40 वर्ष वार्ड नंबर छः लोको कॉलोनी लक्सर बताया। वहीं पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया है। बता दें कि कुछ दिन पहले भी तेजतर्रार बाजार चौकी इंचार्ज मनोज नौटियाल ने लगभग ढाई लाख की स्मैक के साथ क्षेत्र के कुआं खेड़ा तिराहे से एक आरोपी को धर दबोचा था, तेजतर्रार चौकी इंचार्ज की ताबड़तोड़ कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध कारोबार करने वालों के हौसले पस्त होते नजर आ रहे हैं।

नहीं हटी शराब की गांव से दुकान, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

भगवानपुर। क्षेत्र के ग्राम डाडा पट्टी में देसी शराब के ठेके का स्थानांतरण को लेकर हो रहे हंगामे का सप्ताह भर बाद भी कोई हल नही निकलने से ग्रामीणों में रोष है। वहीं प्रशासन मामले में आबकारी की रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। भगवानपुर तहसील क्षेत्र के डाडा पट्टी में भोपाल सैनी के नाम से देसी शराब का ठेका खुला है। जिसका ग्रामीण शुरू से ही विरोध कर रहे हैंऔर मामले की शिकायत उप जिला अधिकारी भगवानपुर संतोष कुमार पांडे को दी थी परंतु 1 सप्ताह बीत जाने के बाद भी अभी तक प्रशासन की ओर से कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। जिसे

लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्दी ठेके का स्थानांतरण नहीं हुआ तो मजबूरन भूख हड़ताल पर बैठा जाएगा। क्योंकि देसी शराब के ठेके के आसपास दो स्कूल और एक धार्मिक स्थल है जिससे स्कूल में जाने वाली बालिकाओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ठेका स्थानांतरण की मांग ग्रामीणों ने उठाई है। परंतु प्रशासन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाया है। उप जिलाधिकारी संतोष कुमार पांडे ने बताया है कि अभी तक आबकारी विभाग से रिपोर्ट नहीं आई है रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

रामपुर हलचल

नगररीय मोहल्ला काजीपुरा में एक प्रेम प्रसंग का मामला सामने आने पर महिला ने कोतवाली में तहरीर देकर उचित कार्यवाही किये जाने की मांग की है

टाण्डा (रामपुर)। नगररीय मोहल्ला काजीपुरा में एक प्रेम प्रसंग का मामला सामने आने पर महिला ने कोतवाली में तहरीर देकर उचित कार्यवाही किये जाने की मांग की है। नगर की महिला मोहल्ला काजीपुरा निवासी जो विधवा है अपना व अपने परिवार का पालन पोषण करने के इरादे से घर के अन्दर ही परचून की दुकान खोल रखी थी परचून की दूकान पर विधवा महिला की पुत्री भी सामान बेचे जाने का कार्य किया करती थी उवेद पुत्र हसरत अली मोहल्ला रहूपुरा निवासी अपने अन्य साथियों के साथ सामान की खरीदारी करने के इरादे से आया करता था इसी के चलते महिला की पुत्री से प्रेम प्रसंग हो गया उबेद ने मोका पाकर अपने अन्य सहयोगीयो के चलते महिला की पुत्री को वहा से भगाकर ले गया उसके उपरान्त पुत्री को छानबीन कर रिश्तेदारीयों में खोजा गया उबेद के ही फोन आने पर पुत्री का पता लग सका महिला ने नगदी 25 हजार रुपये व सोने चांदी के आभूषणो सहित चार व्यक्तियो को नामित कर रिपोर्ट दर्ज किये जाने से सम्बधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।

धोखाधड़ी एवं जालसाजी के तहत शिकायतकर्ता ने मकान का बेनामा खारिज किये जाने की मांग की गई है

टाण्डा (रामपुर)। नगररीय मोहल्ला आजाद नगर इनाम अली पुत्र दायम अली जो की अपना परिवार सहित पिछले 6 वर्षो से हाजी एहसान के मकान में किरायेदारी पर रहता चला आ रहा है जिसकी शिकायत जिला आधिकारी को पत्र प्रस्तुत कर की गई है। मोहल्ला आजाद नगर मो० रफी पुत्र हसीनउददीन थाना ह्लदोर जनपद बिजनोर से एक वर्ष पूर्व मकान को 15 लाख 75 हजार रुपये में गोहर अली व तस्लीम अहमद की मोजूदगी में बतोर व्याना 10 लाख रुपये की रकम दे दी गई बाकी रकम 5-75 लाख रुपये 8 माह के वायदे के दौरान देना थी मकान स्वामी ने मकान के बेनामे से सम्बधित जानकारी की तब मकान का बेनामा बुशरा फात्मा पुत्री स्व० मो० रजी मोहल्ला नज्जूपूरा तहसील व कोतवाली टांडा के नाम करा दिया गया है जबकि हिबा जुबानी के नाम पर ही मामला चला आ रहा था धोखाधड़ी एवं जाल साजी के तहत शिकायत कर्ता ने मकान का बेनामा खारिज किये जाने की मांग की गई है उक्त प्रकरण माननीय न्यायालय रामपुर में विचाराधीन है दा० खा० किये जाने पर रोक लगाये जाने की मांग की गई है।

बुलढाणा हलचल

बुलढाणा जिले की सभी बांधों का जलस्तर बढ़ा

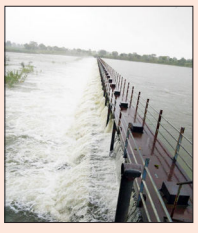

बुलढाणा। जिले में बीते एक सप्ताह से लगातार हो रही बारिश से जिले के जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है हालांकि बारिश का यह सिलसिला जारी रहा तो आने वाले दिनों में फसलों को लेकर किसानों की चिंता और बढ़ सकती है सोमवार को दिन भर दमदार बारिश से जिले के अनेक नदी तालाब भर गए हैं जिसमें बुलढाणा शहर को पीने के पानी की आपूर्ति करने वाला येळगांव धरण पूरी तरह से भर गया है जिले के खड़कपुर्णा बांध में 72 .45% पानी जमा हो गया है नळगंगा बांध में 41. 51, दलघमी 59.88, पेनटाकळी 49.58, पलढग 4.5, ज्ञान गंगा30 .42, कोराडी 14.87 प्रतीशत पानी जमा हुवा। आज में जबरदस्त बारिश के कारण शहर के अनेक निचले इलाकों में विशेषकर कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों के घरों मे पानी घुसने से परेशानी झेलनी पड़ रही है।

दो पहिया वाहन बाढ़ में छोड़ा बच गई दोनों की जान

बुलडाणा। जिले में एक सप्ताह से सतत बारिश जारी है। सोमवार को दमदार बारिश के कारण जिले के अनेक नदी तालाब ओवरफ्लो होकर बहने लगे इसके चलते तहसील के केसापुर मे बांध के ओवरफ्लो होने के कारण पांग्री रोड पर बना हुआ पुल पानी में बह गया। इस पुल से जाने के लिए दो युवकों ने दोपहिया वाहन डाल दी लेकिन बाढ़ के पानी की तेज रफ्तार से वह बाड के पानी में जाने लगे इसी बीच वहां खड़े लोगों ने उन्हें बाइक छोड़ने की सलाह दी। बाइक पानी में बह गई लेकिन दो युवकों की जान बच गई। इस घटना से जान बचने पर दोनों के लिए उत्साहित भारी था। इनका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है इस वीडियो को देखकर हर कोई यह कह रहा है कि अगर यह दोनों युवक बाइक को पानी में ना छोड़ते तो यह बचना पाते।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्किन को रखना हैं टैन फ्री तो फॉलो करें ये 4 आसान टिप्स

चिलचिलाती धूप में आप खुद को कितना भी कवर क्यों ना कर लें आपकी स्किन टैनिंग की शिकार हो ही जाती हैं। टैनिंग होगी तो स्किन का ग्लो गायब हो जाएगा और डलनेस साफ दिखाई देने लगती है लेकिन इस बात के लिए आप रोज - रोज पार्लर भी नहीं जा सकती ऐसे में कुछ घरेलू ब्यूटी टिप्स आपके बहुत काम आते हैं। इसमें आपके ना तो ज्यादा पैसे खर्च होते हैं और ना ही समय की बबार्दी होती हैं। ऐसा ही गजब के ब्यूटी सीक्रेट्स आज हम आपको बताने जा रहे हैं जिसे अगर आप रोजाना अप्लाई करेंगे तो स्किन टैनिंग भी नहीं होगी और चमक भी बरकरार रहेगी।

1. खीरा

खीरे को कद्दुकस करें और आधा चम्मच दूध या मिल्क पाऊडर इसमें अच्छे से मिलाएं। इसमें आप नींबू के रस की कुछ बूंदें डाल सकते हैं। इस पेस्ट को टैनिंग वाली जगह पर लगाएं और सूखने तक का इंतजार करें। सामान्य पानी में इसे धो लें। हफ्ते में ऐसा एक बार जरूर करें।

2. मेकअप रिमूव करके सोएं

बहुत सारी लड़कियां सुबह मेकअप करती तो हैं लेकिन रात को स्किन साफ करना भूल जाती हैं। अगर आप ग्लोइंग और फ्रैश स्किन चाहती हैं तो गंदी और मेकअप वाली स्किन को साफ करना ना भूलें।

3. अच्छी डाइट डाइट अच्छी और हेल्दी होगी तो स्किन

अपने आप हैल्दी रहेगी। पत्तेदार सब्जियां फलों का ज्यादा सेवन करें क्योंकि इसमें भरपूर फाइबर मौजूद होता है जो रोगों से लड़ने की क्षमता रखता है। यह कई प्रकार के कैंसर से लड़ने में मददगार होता है। फूलगोभी, पत्तागोभी, टमाटर, एवोकाडो, गाजर जैसे फल और सब्जियां जरूर खाएं।

4. हाइड्रेट के लिए पीएं खूब सारा पानी

बॉडी को सिर्फ बाहर से ही साफ ना रखें। बल्कि अंदरूनी गंदगी साफ करना भी बहुत जरूरी हैं। इसके लिए खूब सारी पानी पीएं। यह शरीर से जहरीले टॉक्सिन को बाहर निकालता हैं जिससे स्किन ग्लोइंग और साफ हो जाती है।

आम को फलों का राजा कहा जाता है। गर्मीयों में आम खाना सभी बहुत पसंद करते हैं। मिठास से भरा रसीला आम खाने में टेस्टी होने साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें फाइबर, पोटेशियम, मैग्निशियम, विटामिन बी-6, विटामिन ए और विटामिन सी आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर के हेल्दी रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें कोलेस्ट्रोल और सोडियम की मात्रा भी कम होती है जो शरीर को स्वस्थ रखते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आम खाने से किन-किन रोगों से बचा जा सकता है।

1. हाई ब्लड प्रेशर- आम हाई ब्लड प्रेशर रोगी के लिए काफी फायदेमंद है क्योंकि इसमें पोटेशियम और मैग्निशियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो उच्च रक्तचाप के नॉर्मल करने में मदद करता है।

2. वजन बढ़ाए- दुबले-पतले लोगों के लिए आम का सेवन काफी अच्छा है। आम में कैलोरी और स्टार्च काफी मात्रा में होती है जो वजन बढ़ाता है।

3. पाचन शक्ति करें मजबूत- आम खाने से शरीर में पेट की समस्याएं अपच और एसीडीटी खत्म होती है और यह पाचन तंत्र को मजबूत करता है।

4. एनिमिया- आम में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से शरीर में खून की कमी बहुत जल्दी पूरी हो जाती है और एनीमिया जैसी बीमारी से बचा जा सकता है।

5. दिमाग करें तेज- मस्तिष्क को स्वस्थ और तेज करने के लिए आम का फल बहुत कारगार उपाय है क्योंकि इसमें विटामिन बी6 भरपूर मात्रा में होता है।

6. डायबिटीज- आम का फल मीठा होने के कारण कुछ लोगों का मानना है कि डायबिटीज के रोगी को इसका सेवन नहीं करना चाहिए लेकिन ऐसा मानना बिल्कुल गलत है। आम का फल ही नहीं इसके पत्ते भी डायबिटीज रोगी के लिए फायदेमंद होते हैं।

7. आंखों के रोग करें दूर- रतौंधी व आंखों में ड्राइनेस से राहत पाने के लिए रोजाना मैंगों जूस पीएं। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करता है।

8. लू से बचाए- गर्मियों में कच्चे आम के जूस में पानी मिला कर पीने में शरीर को ठंडक मिलती है और यह शरीर को गर्म लू से भी बचाता है।

नेल पेंट लगाती है तो आपको जरूर पता होने चाहिए ये Tricks

लड़कियों को अपने ब्यूटी प्रॉडक्ट्स की काफी चिंता होती है। अगर किसी फंक्शन में जाना हो तो कुछ दिनों पहले ही मेकअप प्रॉडक्ट्स खरीद लाती है, ताकि उस दिन किसी तरह की कोई टेंशन न हो। परन्तु कई बार इतनी तैयारियां करने के बावजूद भी कोई न कोई कमी रह ही जाती है। आइलाइनर हो या लिपस्टिक को लेकर दिक्कत आती है तो ब्यूटी से जुड़ी कई ट्रिक्स अपनाते है। अगर आप भी तैयार होते समय अपना समय बचाना चाहती है तो आज हम आपको छोटे-छोटे ब्यूटी हैक्स बताएंगे, जो आपकी रूटीन लाइफ में जरूर काम आएंगे।

1. जाम हुई नेल पॉलिश

अगर आपने किसी फंक्शन में जाना हो और नेल पॉलिश जाम हो जाती है। ऐसे में रूई की मदद से नेलपॉलिश के किनारों पर बोतल के टॉप पर वैसलीन लगाएं। इससे नेल पॉलिश जाम नहीं होगी और आसानी से खुल जाएगी।

2. नेल पॉलिश कैप

नेल पॉलिश की कैप जाम हो गई हो जाए तो एक ग्लास में गर्म पानी ले। फिर नेल पॉलिश को कैप समेत उस पानी में रखें। ध्यान रखें कि नेल पॉलिश पानी में ना डूबे। कुछ मिनट बाद इसे पानी से निकाल लें। फिर कैप को खोले।

3. टेप से नेल आर्ट

अगर आप किसी फंक्शन में जाने के लिए नेल आर्ट करना चाहती है और आपके पास समय भी कम है तो अपनी पसंद का कोई भी कलर लगाए। फिर ट्रांसपेरेंट नेल पेंट का टॉप कोट लगाए। पूरी तरह सूखने के बाद टेप को नाखूनो पर चिपकाएं और अपनी पसंद का कोई भी नेल आर्ट करें।

4. नेल पॉलिश फैलने से रोंके

अगर नेल पॉलिश लगाते समय नाखूनों पर इधर-उधर फैल जाती है तो नाखून के चारों तरफ के आस-पास की स्किन पर वैसलीन की एक

पतली लेयर लगाए। फिर अपनी पसंद की कोई भी नेल पॉलिश लगाए।

5. एयर बबल्स नेल पॉलिश

अगर नेल पॉलिश में एयर बबल्स नहीं बनने देना चाहती तो उसे हिलाने के बजाए हथेलियों में लेकर आगे-पीछे घूमाएं। इससे नेल पॉलिश में एयर बबल्स नहीं बनेंगे।

6. नाखूनों को टूटने से बचाए

नाखून बार-बार टूट जाते हैं तो हमेशा नेल पॉलिश के बेस कोट की दो कोट्स लगाएं। पहला कोट नाखूनों के ऊपरी हिस्से और किनारों पर लगाए। दूसरा कोट पूरे नाखून पर लगाए।

7. जिद्दी नेल पॉलिश हटाए

अगर नेल पॉलिश जल्दी से हटने का नाम नहीं लेती है तो रूई में नेल रिमूवर नाखूनों को अच्छी तरह कवर करे। अब फॉयल से रूई को पूरी तरह ढककर दबाए। फिर कुछ मिनट बाद हाट लें। इससे नेल पॉलिश आसानी से उतर जाएगी।

8. नाखूनों का ऑयल

अगर नाखूनों में ऑयलनेस या गंदगी ज्यादा है तो नेल पेंट लगाने से पहले सिरके वाले पानी में डुबोकर रखें। इससे नेल पेंट लगाने में आसानी होगी और लंबे समय तक टिकी रहेगी।

बच्चों को क्यों नहीं देनी चाहिए चाय ?

ज्यादातर बच्चों को दूध पीना बिल्कुल पसंद नही होता। वह दूध को देखकर ही मुंह बनाने लगते हैं। बच्चों के शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए माएं बच्चो के दूध में 2 तीन-बूंद चाय मिलकर दे देती हैं। जो कि गलत है। दूध में एक भी बूंद चाय मिलाने से दूध के फायदे खत्म हो जाते हैं। इससे बच्चे को कई नुकसान होते हैं। अगर आप भी अपने बच्चों को चाय देती हैं तो उससे बच्चे का शारिरीक विकास ठीक से नहीं हो पाता। आज हम आपको यही बताएंगे कि चाय पीने से बच्चों पर बुरा असर कैसे पड़ता है तो आइए जानते हैं उसके बारे में।

चाय की लत क्यों लग जाती है

रोजाना बच्चों को चाय देने से आगे चलकर उनको लत लगनी शुरू हो जाती है। चाय में कैफिन की मात्रा ज्यादा होती है। जो दिमाग पर नशे की तरह काम करती है। जब एक बार इसकी लत लग जाए तो छुड़वाना मुश्किल हो जाता है।

छोटी उम्र में चाय पीने के कुछ सामान्य साइड-इफेक्ट्स

1. हड्डियों की कमजोरी

चाय पीने से बच्चों की हड्डियां, दांतों में दर्द होने लगता है। आगे चलकर ये दर्द बच्चों के लिए घातक साबित हो सकते हैं।

2. कैल्शियम की कमी

चाय का प्रभाव छोटे बच्चों पर बहुत ही बुरा पड़ता है। चाय पीने से बच्चों के अंदर कैल्श्यिम की कमी हो होने लगती है। इस कैल्श्यिम की से बच्चों को कई समस्याएं होने लगते हैं।

3. ग्रोथ रूकना

चाय पीने से बच्चे की लंबाई बढ़ने से रूक जाती है। इसके साथ ही बच्चे की मांसपेशिया ठीक ढंग से ग्रोथ नहीं कर पाती है। यही वजह है कि बच्चा कमजोर और लंबाई में छोटा रह जाते है।

4. व्यवहार में बदलाव

चाय पीने से बच्चे के व्यवहार में भी बदलाव देखने को मिलता है। इससे वह किसी भी काम को अच्छे तरीके से नहीं कर पाता। इससे अलवा वह चिड़चिड़ा होने लगता है।

5. नींद पर असर

बच्चों को चाय देने से नींद न आने की समस्या उत्पन हो सकता है। क्योंकि इसमें मौजूद कैफीन बच्चों में बेचैनी और नींद संबंधी विकार पैदा कर सकती है। इससे बच्चों की एकाग्रता और सक्रियता पर असर पड़ेगा। इसके अलावा चाय में चीनी होने की वजह से बच्चों के दांत के खराब हो सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नेपोटिज्म के मुद्दे पर सोनाक्षी का रंगोली और कंगना पर तंज

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से ही बॉलीवुड में नेपोटिज्म, आउटसाइडर्स-इनसाइडर्स की बहस जोरों पर है। कंगना रनौत ने इस मामले में सुशांत की मौत का जिम्मेदार बॉलीवुड मूवी माफिया और इंडस्ट्री में व्यापत नेपोटिज्म को ठहराया था। हालांकि सुशांत के पिता ने इस मामले में मुख्य आरोपी सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती को बनाया है। इसके बावजूद फैंस में स्टार किड्स और नेपोटिज्म को लेकर गुस्सा कम नहीं हुआ है। हाल ही में महेश भट्ट द्वारा निर्देशित और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म सड़क 2 को कई मिलियन्स डिसलाइक्स मिले हैं। कंगना रनौत भी लगातार नेपोटिज्म के मुद्दे पर कई स्टार किड्स को घेरती रहती हैं। अब इस मामले में शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी और एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने कंगना और उनकी बहन रंगोली को लेकर बयान दिया है। सोनाक्षी सिन्हा ने कंगना और रंगोली पर तंज कसते हुए कहा कि मुझे ये बात बेहद अजीब लगती है कि इस शब्द नेपोटिज्म को जिस भी इंसान ने इतना ज्यादा सनसनीखेज तरीके से प्रस्तुत किया है, उसकी खुद की बहन ही उनका काम मैनेज करती हैं और मुझे नहीं लगता कि मैं इसे ज्यादा अहमियत देना चाहूंगी। इसके अलावा मैं ये भी बता दूं कि मेरे पिता ने कभी किसी प्रोड्यूसर को फोन कर ये नहीं कहा कि आप अपनी फिल्म में मेरी बेटी को ले लो।

प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के बाद काम पर लौटीं करीना कपूर

हाल ही में करीना कपूर खान ने दूसरी बार मां बनने की खबर से सभी को सरप्राइज दिया है। उनकी प्रेग्नेंसी की खबर सुनने के बाद वे सुर्खियों में छाई हुई हैं। इस अनाउंसमेंट के साथ ही वे अपने काम पर भी लौट चुकी हैं। करीना की मेकअप-आर्टिस्ट ने सोशल मीडिया पर एक फोटो साझा कर यह हिंट दिया है। करीना की मेकअप-आर्टिस्ट ने फोटो साझा करते हुए लिखा- टीम के साथ वापस आ गई हूं, बहुत मिस किया। तस्वीर में करीना बिना मास्क के शूट के लिए तैयार नजर आ रही हैं। वे काफी खुश दिखाई दे रही हैं। इसके अलावा ऑफ-व्हाइट सलवार सूट पहने करीना के चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो भी साफ देखा जा सकता है। करीना कपूर और सैफ अली खान ने कुछ दिनों पहले ही सोशल मीडिया पर प्रेग्नेंसी को लेकर अनाउंसमेंट की थी। उन्होंने लिखा था- 'हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हम जल्द ही अपने परिवार में एक नए सदस्य का स्वागत करने वाले हैं। आपके प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद'। इस अनाउंसमेंट के बाद से ही बधाईयों का सिलसिला जारी है।

आलिया संग रणबीर के रिश्ते पर आया बहन रिद्धिमा का रिएक्शन

बॉलीवुड इंडस्ट्री में मौजूदा समय की कुछ चर्चित जोड़ियों की बात की जाए तो उसमें निसंदेह सबसे ऊपर आलिया भट्ट और रणबीर कपूर का नाम होगा। दोनों साल 2019 से ही एक दूसरे को डेट कर रहे हैं और अपने रिलेशनशिप में रहने की बात को कबूल भी चुके हैं। यहां तक कि कपूर और भट्ट परिवार के बीच भी अच्छी बॉन्डिंग पिछले कुछ समय में देखने को मिलती रही है। आलिया और रणबीर के रिलेशनशिप पर उनके परिवार की प्रतिक्रिया भी आती रहती है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर ने कपल के बारे में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। रिद्धिमा कपूर से पूछा गया कि आलिया के बारे में उनका क्या खयाल है और वे रणबीर और आलिया की जोड़ी के बारे में क्या कहना चाहेंगी। रिद्धिमा कपूर ने इसपर कहा- होता ही है, उनसे पूछिए। मैं क्या कह सकती हूं? मैं खुश हूं अगर मेरा भाई खुश है। और मैं वाकई में अपने भाई को लेकर बहुत खुश हूं। बता दें कि पिछले कुछ समय में आलिया भट्ट को कई दफा कपूर फैमिली के साथ स्पॉट किया गया है। इसके अलावा इस अलावा ये तो अब सभी जानते हैं कि साल 2019 से ही इस बात की चर्चा चल रही थी कि कपल ने 2020 को अपना वेडिंग ईयर चुना है। मगर कोरोना वायरस के चलते फिलहाल ऐसा होना नामुमकिन लग रहा है। आलिया और रणबीर रिलेशनशिप में हैं इस बात को तो दोनों ने कबूला है मगर शादी के सवाल पर कई दफा दोनों बात को टालते नजर आए हैं।